भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †10**91**

सोमवार, **2**9 जुलाई, **2024/**7 श्रावण, **1946** (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में पर्यटन परियोजनाओं के लिए निधियां

†1**091**. श्रीमती सुप्रिया सुले:
श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटील:
श्री निलेश ज्ञानदेव लंके:
श्री संजय दीना पाटिल:
प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़:
डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे:
श्री बजरंग मनोहर सोनवणे:
श्री नागेश बापुराव अष्टिकर पाटिल:
श्री भास्कर मुरलीधर भगरे:
क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वित्त वर्षों के दौरान सरकार द्वारा महाराष्ट्र राज्य में पर्यटन स्थलों के विकास के लिए आवंटित की गई कुल निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) आज की तिथि तक संवितरित की गई आवंटित निधियों का प्रतिशत कितना है और संवितरण में किन्हीं विलंब के क्या कारण हैं;

(ग) महाराष्ट्र राज्य में पर्यटन विकास परियोजनाओं के लिए केन्द्र सरकार की ओर से अनुमोदन हेतु लंबित प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;

(घ) केन्द्र सरकार द्वारा इन प्रस्तावों की समीक्षा करने और इन्हें अनुमोदित करने में औसतन कितना समय लगता है;

(ङ) क्या सरकार ने उक्त राज्य में पर्यटन अवसंरचना विकास संबंधी अनुमोदन में विलंब के कारण होने वाले सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए कोई आकलन या अध्ययन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) पर्यटन परियोजनाओं का समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए लंबित प्रस्तावों की स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं**?**

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (च): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को उनके परामर्श से वित्तीय सहायता प्रदान करता

है। इस मंत्रालय ने महाराष्ट्र राज्य में स्वदेश दर्शन (एसडी) के तहत 2 परियोजनाओं और प्रशाद योजना के तहत 1 परियोजना को मंजूरी दी है, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

योजना का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (करोड़ रु में)	जारी/प्राधिकृत राशि (करोड़ रु में)
स्वदेश दर्शन	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ का विकास - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग, मितभाव	2015-16	19.06	18.10
	वाकी- अडासा- धापेवाड़ा- पारदसिंघा- तेलनखंडी- गिराड का विकास	2018-19	45.47	43.19
प्रशाद	त्र्यंबकेश्वर का विकास	2017-18	42.18	29.93

मंत्रालय ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान 'केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजना के तहत वर्ष **2021-22** में महाराष्ट्र में **37.50** करोड़ रुपये की राशि से 'इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल के उन्नयन/आधुनिकीकरण' परियोजना को मंजूरी दी है और **36.00** करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने हाल ही में स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है, जिसका उद्देश्य गंतव्य और पर्यटन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करना है। राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के परामर्श से और योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, मंत्रालय ने एसडी 2.0 के तहत विकास के लिए देश में 57 गंतव्यों की पहचान की है, जिनमें महाराष्ट्र में 'सिंधुदुर्ग' और 'अजंता-एलोरा' शामिल हैं। इसके अलावा, मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' नामक उपयोजना (सीबीडीडी) में संस्कृति और विरासत स्थलों की श्रेणी के तहत 'अहमदनगर' को चिह्नित किया है।

चिह्नित गंतव्यों पर परियोजनाओं के प्रस्ताव संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा तैयार किए जाते हैं। परियोजनाओं की समीक्षा और स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है और यह योजना दिशा-निर्देशों में निर्धारित प्रक्रियाओं और अपेक्षाओं के अनुसार की जाती है। पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन अवसंरचना विकास पर विलंबित अनुमोदनों के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया है। तथापि, मंत्रालय समय-समय पर राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को अभिज्ञात गंतव्यों पर योजना दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रस्ताव तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

****